



Yash



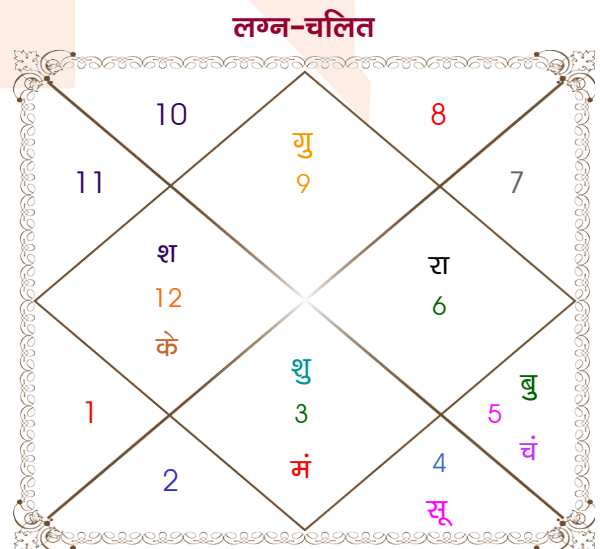
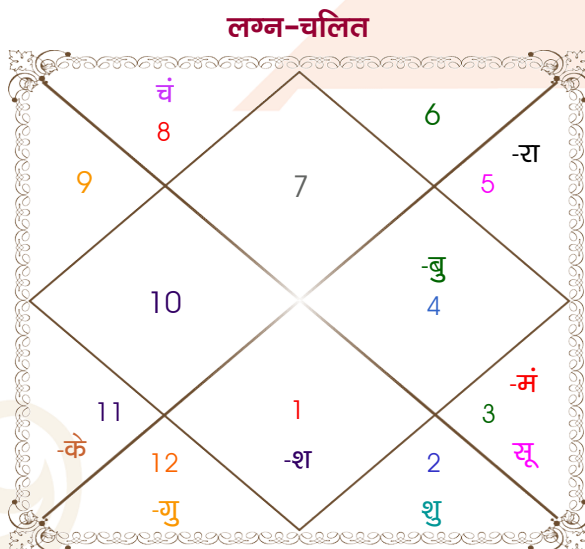
Megha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120484903

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 07/07/1998 : _____ जन्म तिथि _____ 15/08/1996
 मंगलवार : _____ दिन _____ गुरुवार
 घंटे 15:29:00 : _____ जन्म समय _____ 15:35:00 घंटे
 घटी 24:46:54 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 24:11:30 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Alwar : _____ स्थान _____ Jabalpur
 27:32:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 23:10:00 उत्तर
 76:35:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 79:57:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:23:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:10:12 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:34:14 : _____ सूर्योदय _____ 05:46:28
 19:22:33 : _____ सूर्यास्त _____ 18:42:20
 23:50:03 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:48:40

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 5मा 5दि		29:53:09	तुला	लग्न	धनु	10:26:48	केतु 1वर्ष 1मा 23दि	
शुक्र		21:15:51	मिथु	सूर्य	कर्क	29:02:19	चन्द्र	
11/12/2012		24:10:17	वृश्चि	चंद्र	सिंह	11:08:48	09/10/2023	
11/12/2032		06:52:11	मिथु	मंगल	मिथु	19:54:13	08/10/2033	
शुक्र	12/04/2016	15:48:29	कर्क	बुध	सिंह	25:37:05	चन्द्र	08/08/2024
सूर्य	12/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु व	धनु	14:35:04	मंगल	09/03/2025
चन्द्र	12/12/2018	21:30:46	वृष	शुक्र	मिथु	13:23:42	राहु	08/09/2026
मंगल	11/02/2020	08:29:07	मेष	शनि व	मीन	12:57:48	गुरु	08/01/2028
राहु	11/02/2023	08:39:08	सिंह व	राहु व	कन्या	14:55:05	शनि	09/08/2029
गुरु	12/10/2025	08:39:08	कुंभ व	केतु व	मीन	14:55:05	बुध	08/01/2031
शनि	11/12/2028	17:57:11	मक व	हर्ष व	मक	07:58:29	केतु	09/08/2031
बुध	12/10/2031	07:22:31	मक व	नेप व	मक	01:50:22	शुक्र	09/04/2033
केतु	11/12/2032	11:52:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	06:31:46	सूर्य	08/10/2033



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.00		

लै का वर्ग मृग है तथा डमही का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लै और डमही का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

लै मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डमही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।

तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डमही कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि लै कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु लै कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

लै तथा डमही में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

